रोजगार मेले में पहले ही दिन युवाओं की भारी भीड़ पेज 5

बेटे की मौत के बाद किराये की कोख से दादी बनी पेज 9

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गडकरी का भरोसा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि गंगा नदी को अविरल एवं निर्मल बनाने का 90 प्रतिशत कार्य मार्च 2019 तक पूरा हो जाएगा। पेज15

शुक्रवार, 16 फरवरी 2018, नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 33, अंक 41, 20 पेज+4 पेज तक कम, मूल्य ₹ 4.50, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मूल्य ₹ 9.00 एवं एचटी एम के साथ मूल्य ₹ 5.50

जेवर में देश का सबसे बड़ा हवाईअड्डा होगा

ग्रेटर नोएडा | संवाददाता

जेवर में बनने जा रहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। क्षेत्रफल, यात्री क्षमता और टर्मिनल के लिहाज से यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आईजीआई) से भी विशाल होगा।

जेवर हवाईअड्डे का निर्माण अगले वर्ष शुरू होगा। वर्ष 2023 में यहां से विमान उड़ान भरेंगे। यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर हवाईअड्डे को अगले 50 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। माना जा रहा है कि अगले पांच साल में आईजीआई की यात्री क्षमता पूरी हो जाएगी और तब तक जेवर हवाईअड्डा बन जाएगा।

आईजीआई एशिया में 10वें नंबर पर: फिलहाल इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा देश का सबसे बड़ा और व्यस्ततम हवाई अड्डा है। दूसरे स्थान पर मुंबई का छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और तीसरे स्थान पर बेंगलुरु का अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है। व्यस्तता के मामले में आईजीआई एशिया में 10वें जबकि विश्व में 21वें स्थान पर है। एशिया में पहले स्थान पर चीन का बीजिंग कैपिटल हवाईअड्डा जबकि विश्व में पहले स्थान पर जार्जिया का अटलांटा हवाईअड्डा है।

क्षेत्रफल

जेवर हवाईअड्डा 3000 हेक्टेयर जमीन पर बनेगा। पहले चरण में 1327 हेक्टेयर जमीन पर निर्माण होगा। आईजीआई हवाईअड्डा 2066 हेक्टेयर जमीन पर बना हुआ है।

क्षमता

जेवर हवाईअड्डे की क्षमता सालाना 9 करोड़ यात्रियों की होगी जो वर्ष 2050 तक 20 करोड़ हो जाएगी। आईजीआई पर सालाना 6.35 करोड़ यात्रियों का दबाव है, जबकि क्षमता 10 करोड़ की है।

सबसे बड़ा टर्मिनल: आईजीआई में तीन रनवे और तीन टर्मिनल हैं। टर्मिनल तीन विश्व का सबसे बड़ा यात्री टर्मिनल है। जेवर हवाई अड्डे पर पांच से ज्यादा रनवे की जरूरत होगी। हालांकि पहले चरण में दो टर्मिनल बनाए जाएंगे।